भा.कृ.अनुप.-सरसों अनुसंधान निदेशालय
सेवर भरतपुर (राजस्थान) 321 303

भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान के 31वें स्थापना दिवस का आयोजन

आज 20 अक्टूबर 2024 को भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान के 31वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि देश को खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर बनाना परिषद की पहली प्राथमिकता है। इसके लिए संस्थान को अनुसंधान की प्राथमिकताएं निर्धारित करके सभी वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मचारियों एवं अधिकारियों को एक मिशन के रूप में कार्य करने की आवश्यकता है। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय तिलहन मिशन की शुरुआत करने से आगामी वर्षों में नई तिलहन क्रांति का रास्ता निकलेगा। इसके लिए नवीन तकनीकों जैसे जीन एडिटिंग, स्पीड ब्रीडिंग आदि का प्रयोग करते हुए इस संस्थान को अन्य संस्थानों से प्रतिस्पर्धा करते हुए विश्वस्तरीय अनुसंधान उपलब्धियां प्राप्त करनी होंगी। डॉ. पाठक द्वारा आज संस्थान में स्पीड ब्रीडिंग प्रयोगशाला की नींव रखी गई एवं बेसिक साइंस काम्प्लेक्स के विस्तार भवन का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर डॉ. पाठक द्वारा अनुसूचित जाति परियोजना के अंतर्गत 4 किसान उत्पादक समूहों को कृषि उपकरणों का वितरण भी किया गया।

सहायक महानिदेशक (तिलहन एवं दलहन) डॉ. संजीव गुप्ता ने सरसों के क्षेत्र में नवीन तकनीकों के प्रयोग और अपरम्परागत क्षेत्रों में इसकी खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे देश में खाद्य तेलों के उत्पादन को बढ़ाया जा सके। उन्होंने सरसों में ओरोबैंकी, सफ़ेद रतुआ और संकर-सरसों के विकास की समस्या के बारे में बात की और वैज्ञानिकों से इसके समाधान के लिए कार्य करने का आह्वाहन किया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने अतिथियों का स्वागत किया और संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पिछले 31 वर्षों में संस्थान ने सरसों की 13 उन्नत किस्मों का विकास किया है और 37 विशिष्ट गुणों वाले जननद्रव्यों को पंजीकृत किया है। इसके साथ ही अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत सरसों की 200 से अधिक किस्मों का विकास किया जा चुका है।

इस अवसर पर डॉ. एम. के. चेटली, निदेशक, राष्ट्रीय बकरी अनुसंधान केंद्र, मथुरा, डॉ. विनय भारद्वाज, निदेशक, राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र, अजमेर और डॉ. ए. सी. राठौर, प्रमुख, केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, के क्षेत्रीय केंद्र, आगरा, ने संस्थान के वैज्ञानिकों, तकनीकी एवं प्रशासनिक अधिकारीयों के कार्यों की सराहना की और नवीन तकनीकों का प्रयोग करते हुए देश में तिलहन उत्पादन को बढ़ाने का आह्वाहन किया।

इस अवसर पर संस्थान के वैज्ञानिकों डॉ. विजय वीर सिंह, डॉ. अशोक कुमार शर्मा, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. मुरलीधर मीना, डॉ. हरवीर सिंह, और संस्थान के कर्मचारी श्री पंकज पाठक, श्री प्रशांत कुमार, श्री अनुराग भारत, श्रीमती वीना शर्मा को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया. इस अवसर पर संस्थान द्वारा सरसों सम्बंधित प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डॉ रीमा रानी द्वारा किया गया ।

ICAR-INDIAN INSTITUTE OF RAPESEED-MUSTARD RESEARCH
BHARATPUR
Welcome
31ST FOUNDATION DAY
20th October, 2024

सेवर, भरतपुर
20 अक्टूबर,
भारतीय सरसों अनुसंधान

भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान
भरतपुर
के
विज्ञान परिसर (प्रथम तल)
का उद्घाटन
डॉ. हिमांशु पाठक
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली
रविवार दिनांक 20 अक्टूबर, 2024 को
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली
की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।
डॉ. प्रमोद कुमार राय
निदेशक
भा.कृ.अनुप.-भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान, सेवर, भरतपुर